

T-18 S Shodhan

इ. वि. का. राजगढे संशोधन मंडळ घुळे.



The Raichade Sa Shodhan Mandal Phule and the Yashwantrao Chavhan Prashnithi, Mumbai.

५

मराठी

नोट्टे

४८-७८

✓

प्रत्येक - विद्या-
विजय-
विजय-
विजय-
विजय-
विजय-

१३६१८१८२३



४८-४

हरिनामाच्छवेदनपटे (उच्चारण)। श्रीरामभृत्यु (१)
भवनदिनाहं वाप्तः। तोऽनकम्भिरहिकवपा दृष्टिः।
॥ श्रीशुक्रभासयाद्ब्रह्मेभृत्यु। गम्भिजततोऽनजाते॥ श्रीशुक्रनजिनि
॥ तथारित्॥ गम्भजराभ्यमरणवारिते॥ भवभयातेसंहारिते॥ तपसा
॥ मध्येतत्॥ हरिते विवेकमन्त्रमेनजावरिते॥ विषयपसारद्विसारिते
॥ अशयवेद्वानवारिते॥ असेषजेजभागभागिते॥ शुक्रभक्तिगम्भी
॥ चणी॥ इत्यावेषअविष्टकते॥ अवयवउद्दीर्णकुनियनिकष्ट
॥ गत्तनीवेषवारा॥ गम्भदीर्थाभुवित्वारा॥ दृष्ट्यानक्षाचातपद्मारा
॥ रा॥ आधेवद्वनीत्याक्षेषपसदनी॥ जारवेद्यनीमुवजाध्यनीद्वात्म
मरविद्याप्रियक्षकासमउक्तुतातो॥ जठराश्चिनेत्वव्याहिकोमव्य
॥ नाविनोडीजंगबुक्कुव्य॥ वक्तव्यव्यत्ताव्यती॥ तव्यमव्यतोतो॥ कव्यव्यत्तीवात्म॥ १
॥ पंक्तीकाराम्भवास॥ कुश्यव्यद्वंधीवात्मास॥ सव्यरोधितेश्वासाभ्यास॥ सोहु
मौहुहानिजध्यास॥ वैश्यम्भवात्मीहृष्यासु॥ वात्मात्मा॥ वात्मात्मा॥
॥ दृष्ट्याग्नेभृत्या॥ शुक्रप्रभिठविताजाहात्मा॥ त्यानिशुक्रहामवल्ला॥ कर्मेक
॥ श्रीताजाहाश्रीहरिता॥ श्रीशुक्रयोगिंद्रानेभवागर्वहारिता॥ २॥ उसमीको
॥ तोमारेसा॥ अनादितोजिवनामकेसा॥ वावपुष्ये मिश्रितससीसा॥ अंगुष्ठस
मल्काहानद्विलुसा॥ तोमीसद्मस्तूलीमरणो॥ लम्बनेचोत्याभिरामिपणो॥ दृष्ट्यात्म
॥ ग्रेथेजालेसेण॥ दद्विदीधधवीपापन्नयाने॥ माज्ञीएकोपूर्वकथने॥ स्वधम्भस
॥ इनिजधमेवाटे॥ कुकुर्मित्यासगाडनाटा॥ अनुरूपेत्यकर्मचपेटे॥ वमेत्यात्म
॥ कर्मफक्तेमगा॥ क्रमीहात्मीनेभ्रम
॥ यातामेठीजाल्लो॥ चरीपार्व
॥ होउनिहरुयाकेत्या॥ को
॥ शी॥ अधैहोयत्यापकष्ट
तुष्टी॥ अदातयोद्यापत्रउष्टी॥
॥ तरीकीटककोरडियाका॥ शी॥ हृ
॥ शी॥ ब्रयकुचीवाअचुरभृष्टी॥
॥ अपुर्लीकायापोशी॥ अर्णी॥
॥ घुरीहेउनिधुसेविवात्यिग्निवाक्षानाम्भुम्भुष्टिता॥ भूकरनामादुकरहो
॥ उनी॥ उकरउकरउकरडाउकरिता॥ श्रीशुक्रयोगिंद्रानेऽ३॥ सुंदरकाया
॥ तीर्थस्नाने॥ पोटशूलहाभूतदोहाने॥ गजादिवाहनक्षमाद्वाने॥ दुष्टनभ
॥ धुपद्रवाने॥ पद्मद्रव्याचेकरिताहरण॥ दरिद्रतापेनापुनिमरण॥ रक्तवीत
॥ गोरितामिसोने॥ क्षयरागहारतक्षयाने॥ अनेकदुर्बलवर्तनभाषण॥ व्याधा
॥ दिक्षेगव्यवधने॥ अस्वलहोतीरिणगिक्षानी॥ नेत्रज्ञाकुनीजुंयितिधाणी
॥ ननीवाधुव्याअधोवदनी॥ वक्षिमेदहाकेत्यासानी॥ धर्मकरितामादक्षा
॥ गर्भधोडाप्राप्तजाला॥ प्रसूतसमइअवोडाला॥ जात्रघटदुलिडुवाक
॥ लालक्ष्मवन्याशीहाबजार॥ करिबेजारबहुजोजार॥ हाजारवेष्टकारा
॥ गार॥ देहसर्वाचेकाकष्टकाच्छुद्धुकाच्छ्वावराच्च॥ फिरतामगदेश्व
॥ शिदहस्या॥ कर्मभुमीनरदहीयेथे॥ स्मरणात्मागीमरुलसालाताथुके
अमोलथोडे॥ जन्मलोमीगर्भस्मरता॥ सोहंसहंमीवाहिरपउताविसरेहमी॥
॥ दहगहहेमायामाहे�॥ मामामीमी॥ काकाकाकी॥ तायीमायीआयीवहि
॥ णी॥ वीहिणिमेहणी॥ इत्यादिकहेकर्मकाहाणी॥ यानात्याच्युंडाच्याना
॥ गुडाच्छुनिवंडाच्छुवजाली॥ च्यार्दुच्छुमीमोहेयाच्या॥ अर्जवाच्याहरीहा
॥ राच्याभजनावाच्युनी॥ जन्माजन्मीकाक्षकमीला॥ श्रीशुक्रयोगिंद्रानेऽ३
॥ भगवापान्नेक्षनधरी॥ पुराणकीर्तनेदेवद्वारी॥ गंबुलभस्त्रणकुष्टशीरी॥
॥ कर्मवेसेनिदाकरी॥ तिद्विजन्मयापक्षाभ्रतरी॥ गुरुशिक्षिव्याशिविद्याचो
री॥ हायपिंगकात्तानिधरी॥ अनुवित्यतिगहन्नास्त्रणद्वता॥ गुरुमाक्षहोति
॥ अद्वता॥ परद्रव्याच्याअपहारकरिता॥ परदेवत्रीच्यागायीवेष्टता॥ अत्य
॥ अयुष्मीहोयतत्त्वता॥ सत्तापुरुषेप्रजापीडिता॥ व्याघ्रसर्पहोतोआतो४स
॥ धुष्टच्छणीवंशक्षयता॥ देवद्वारीचेतरुतोडिता॥ द्वयामोडिता॥ पाणुष्टहो
॥ तीजायतत्त्वता॥ जारकर्मवेश्याजाण॥ श्रीपुरुषाच्यागुद्यश्रवण॥ दाशि
॥ तोन्यमेविद्यावाहाकाजाण॥ श्रेवकहुउनिस्यामीजाचण॥ श्रवानहोउनी
॥ बहुहिंडेण॥ ब्रह्मसराक्षमवहुअभिमान॥ द्वयालूपेतेकवोरण॥ माज्ञहोउ
॥ निगुरुरकरण॥ त्रासमात्मप्रितियादेति॥ मर्कटहोउनिद्वक्षकिरति॥
॥ द्वेष्टहोउनियुधीपव्यति॥ सिमाल्लोद्यति॥ कर्वणनिदिति॥ सुरुषाच्यानें॥

॥अचरति ॥ श्रीधायुक्तश्राव्यवतारीमनिर्मैहेद्ये परतपरं तरे सेसपतो भूमि
॥ किरणं ॥ मधुरगिरामे ॥ द्वीरनिराचानि वादारकरिती ॥ अजीजा ने
॥ कवादुकाव्यासउधृद्दीनीया अतरीविवरितत्वे ॥ विवरुनीयामगअन्म
॥ ल्यसि मुख्यपदीनिजसंसकसनीया ॥ भागवतारव्यापुराणपत्रव्यासप
॥ वित्रेकरितो धरिताभिर्वित्रहाविश्वमवाहे ॥ विचित्रहरिचलाला ॥
॥ दर्शितअलिप्रवितमहामुनीला ॥ श्रीभुक्यागिंद्रानरं भवाणा ॥ धृ ॥ ध
॥ पपभवने रायजयाला ॥ वासनाविहितकवनासिवलागे ॥ अशनस्य जुनीरवा
॥ यमुकेला ॥ योगासनासिधालुनिवसला ॥ नमनकरुनीयुरुक्षपेजा ॥ उनमनि
॥ चातोमार्गर्गोधिला ॥ नित्यब्रह्मनिर्वाणलाधला ॥ स्वानंदामृतधृथधर्मव्यावा ॥
॥ स्वानंदाव्याढकरदिधला ॥ आत्मसुनीस्वरूपेसला ॥ दुरावल्लसानष्टज्ञाला ॥
॥ राजादुशालाकशासत्याला ॥ कोडुनकाकीमोहपाशाला ॥ कायनियमकरीअशाला ॥
॥ अशासयथेकशासअणिता ॥ स्वासश्वेतालाकरालकोणि ॥ शशीकशाला ॥ बालक्ष
॥ तांत्राभद्रुताला ॥ जिताचिमेला ॥ निःकामजाहोला ॥ जिवन्मुक्तशुक्लपतीसा
॥ जा ॥ बहुदणमगनक्लगुयाला ॥ असोनिविचारस्याचिविचार ॥ येइतेसबरसु
॥ शाव ॥ उगपहावैद्रस्यमावे ॥ स्वाचामनातयेउनिपरित्यारभासुदरीला ॥
॥ श्रीमुणि ॥ ७ ॥ अनुष्ठानतपकाव्योदृत्या ॥ तपतेजेदशदिशादृत्या ॥ पुण्य
॥ नद्यारकाव्याअटव्या ॥ सुक्षतबदेजरिशूक्मेट्या ॥ ऋणानबंधगाठीज्ञ
॥ तुठव्या ॥ इदमनीकत्यनानुट्या ॥ गेहात्याव्याशकिरुरव्या ॥ मुक्तिखुरुत्तम
॥ घुसिविट्या ॥ जेसश्वानवमनसाडि ॥ मार्गस्थाव्यालागेपाठि ॥ स्वभावदस्ते
॥ होडुनकश्चि ॥ तेसातेणदेवं द्राणाथमाडिला ॥ रत्नसुरवरसभाशंभाअगिमेनिका ॥
॥ तिलेनमादिकस्थगीगामिनी ॥ पा-वारुनियादवित्तसंग ॥ म्लनवदनयुव्यामृत
॥ शुकाच्चेहारुणिद्वृहनकरण ॥ मोहनरूपीरभावहितीचतुरशाहाणी ॥ अवैभूव
॥ नीवनीभुकाव्या ॥ परामृष्टात्तजायेमृष्टात्तन ॥ अतित्परनिशतयज्ञा-वीअशावदुलि
॥ निकरीप्रतिताशक्रसमेत्ति ॥ वक्रपाहुनिहसेनिवले ॥ देइनक्षालेमभवेभवेम्पी
॥ चेवविले ॥ पञ्चविषयम्याशेवनिले ॥ धाइनिअमचामुखरसस्यालातपस्थ्या
॥ तेसवेचिन्याले ॥ अणिधावलवनीपरले ॥ तपेतापलेत्रक्षामिले ॥ द्योलगे
॥ लेवरेविसरले ॥ जपोधमसालभीहनज्ञाहाले ॥ आसनतुमवथरथरिले ॥ तेष्य
॥ जाउनिगाहुनिवाहुनि ॥ मुख्यदुधा
॥ व्यातावूआणिमाछितपक्षी ॥ भूमि
॥ सेपाछिलागुनियाल्लयप्राप्त
॥ सावीस्परगंगीनिवैद्वा ॥ हे

॥ लिपुले ॥ भुजवे द्वियां वपा ॥
॥ अंबाहि जाणन् हृति रि मानि ॥
॥ सोराचित्तहारी न वाहु ॥ शोहवे ॥
॥ धडामना वासो उमत्या वा ॥ क ॥
॥ णिवा ॥ रसे रंगो गुवाहु न भहो ॥
॥ ८ ॥ इदन्तेण गच्छ द्वदने ॥ व
॥ णे ॥ चंदन चर्चित सुविषुकी ने ॥ अ
॥ ने चंद्रलाजुनी ॥ नयन यकारे करीभि
॥ त पो चिन्ह हङ्कुज पूनि धण ॥ सहस्र
॥ वस्यवदती ॥ वस्य करी न मनकरुनि
॥ नयसंग घडाने ॥ हास्यवदना ददन
॥ तोक्षीनि ॥ विक्षति धावे विवेकवन
॥ तपयो धरशीने ॥ नदसुंध वानेस
॥ रती अवध्याकरणा सकामसीनि
॥ रास्याउच्च प्रभेला ॥ भोवाजन मग
॥ छालिंग न तवाधादनि ॥ भ्यालो
॥ छाचिधालि विद्वद्वेनि धात्मा ॥ स
॥ मानवहनी स मान द्वित्रा व्याप

॥अंगप्रभेनेतुजव्वलगवंबरि॥ सोउचलवस्त्रमञ्जनकरुनी॥ कर्जलकिंचत्प्रियाला
॥ उनीदिसतीहिरपा-वा-वहारेकारसुमनाचेतेभारे॥ मस्तविरिलेहस्तकिधरिल॥ स
॥ भुवयाअर्पणकरिती॥ इवलकाहनिसंधुजनाने॥ मुखइवरितिलकतिलकविदसुहरंग
॥ दस्तिला॥ अंबुरवेमुनिवृद्धेदला॥ येकश्वकमुनित्याहीद्विजवरेभावादिजवरे॥
॥ धिकारिलतेअनुसधाने॥ ध्यानयोगहाजनाद्वंस्नदनिचा॥ अंनंदानेअंगचाविले॥
॥ इदयीविडिकात्यासिअचिले॥ उदभेदुनआकरुषा॥ इदयाभिथरुनिकामे॥ भरुनि
॥ पातव्ये॥ अरुणरंगेकंचुकित्तचितेअशाचियेतीकिरतीकजाती॥ मुनीतापोसीऋ
॥ बीदिगंबरअमरतेजपपामरडाले॥ विप्रादिक्षबदुक्षिप्रकक्षुनीप्राप्तिरथिति॥
॥ क्लीभधरा-वीपयोधरा-वीपिवव्याअंगीउद्याकेसरीबुकाभरजारी॥ धयाभरज्ञ
॥ रीनेसुनिसुगंधभाघिक्सरी॥ नक्षत्रासमबेसरनाकाम॥ हतातगजरे॥ श्रीहारिना
॥ मप्राप्ततोपजरे॥ अंतरितेजेरेतेजरे॥ अशासोहातेअनानागिणि॥ कुरुठकेशव्या
॥ सरच्छवेणिया॥ मुकालंकुश्चोणिनगा-व्या॥ तांबुलवदनी॥ सिहकटीत्या॥ कह
॥ सहोकंठीज्या-व्यासुवर्णरव्ये॥ जडितिडियससमभागभरुनिया॥ हादशअगीसा
॥ गअभरणमतंगगमनाउतेगकुचसेपवंगजेसेतंगीयाहुदंगशापडि॥ अंगबराबर
॥ अंगचेदव्यसबठाचेकेवीअबच्छयाबकेचिम्बुण्ठेती॥ चपडायेकीबुबच्छफिर
॥ उनिलाकत्रयहादुबच्छकरीतिचित्तवित्तसमतहेरिती॥ पुठेप्रसिद्धेतीवसंतकामाअ
॥ नवरिकासासिधुतमारेउनित्यागेधाडिधाडिली॥ पवित्रजेथअगण्यपुण्यादण्यथ
काच्चनिकर्त्तवनीसानिकरज्ञाउनीविनोदबा-वाउपक्षमअदरिला॥ श्री०

॥ यश्चकरिसादिनमपावति ॥ वेदशस्त्राजेऽग्निदिति ॥ देष्करिति माहापुरुष
॥ वा ॥ विधुवधुवेष्टकरीति ॥ मध्यहेऽनिजक्षीविच्युरति ॥ दोषिलियजेकरिता है ॥
॥ यक्षीयजेचित्तरारिति ॥ सारमन्यत्वरिता यते गच्छित्तहेऽनितरतरता है ॥ उद
॥ ककोडितामुत्रकादुतो ॥ पृथ्वीपहिचेनिदकरिता ॥ उद्दीपीअग्निगदहोतो ॥ मह
॥ संधिकरिताभेजना ॥ वित्तरोगहोयोगदारणा ॥ परबोलापरदशीविकेण ॥
॥ वचनिगुचुनियालटकरणे ॥ गव्यतकुष्ठुर्गधीसाहंणा ॥ अपराधविष्णुवीक्ष्णे
॥ जावणे ॥ यक्षेहेजायतयाने ॥ ब्राह्मणवेअनहरणे ॥ वेशमुन्यहरास्त्रीपास
॥ गणे ॥ मुक्तसंतआणिमातापिता ॥ याउपहसिता ॥ याव्याजाउनिहायादुश्चिता ॥
॥ व्याधितितुकाळगेत्यता ॥ पुराणश्वरणाणिकीर्तने ॥ जाहुणिनिजेताअज्ञार
॥ जाता ॥ आतिवादतोशनियातला ॥ दयमुत्तेजाविटआला ॥ शिराअरवडतीमा
॥ इहाकाला ॥ पुस्तकवेमुनिमुक्तचित्ताहाला ॥ नमनकरीनाजासंतला ॥ कठो
॥ रवनेत्रासदीधत्ता ॥ वहुजन्माचाबहुजोजार ॥ त्रासपवल्लोवारेवार ॥ नले
॥ धनहमायापूर ॥ उद्दीपीवेश्वरक्षमुखीविरक्तिसाच्चि ॥ अवणकरीजगदो
॥ त्वाजावी ॥ रहिकुकाच्चि ॥ भानुभवावीमजनोत्तिच्चि ॥ एकतावितेधवा ॥ श्रि

॥ हरिहास्यकरुनियाकायबोलिला ॥ श्रीनक्षेत्रानिद्राने ॥ उष्मण्यक्षताहेक
॥ व्याजिआली ॥ कङ्कनीमलीआरि ॥ विली ॥ पापश्वरवधुहुजक्षलि ॥ त
॥ रिकामाताहसिणविली ॥ निघोमिआतासोउमाउली ॥ खस्तपसत्तापाहेअपुली ॥
॥ मनाशिबोधुनिवनाशिजावे ॥ ब्रह्मभावेजनासिध्यावे ॥ धनासिआणिलीजना
॥ सिम्यावे ॥ नातरमायापिलविलवीवा ॥ भरविलवाया ॥ अउरानेरामायाच्युनि ॥
॥ निकामरामामुलविलहुजला ॥ दयिलजोला ॥ यवन्याशिआदेविलोला ॥ कङ्क
॥ वालताशुकनिष्ठला ॥ नेष्टलायाप्रपञ्चात्तुनि ॥ गलातेसाअलानाही ॥ पुडला
॥ पृष्ठशुत्रुवेटाई ॥ वासनेलामुरुनिधाई ॥ जावुनिअंगीभस्मच्चिले ॥ जिविलजा
॥ ने औरविले ॥ वाणिद्वाराब्रह्मचर्चिले ॥ जीविअचिलेप्रवाधंहुद्दृशीकोवि
॥ गर्वे ॥ श्रीशुकरा ॥ ५ ॥ इदं धरितपद्मवस्त्री ॥ प्रेमभरि ॥ नहुंशी ॥ विवेकपंचित्तदि
॥ नहुंसे ॥ जेणरसनघड ॥ जेलसाकड ॥ प्रसातभानुतनसता ॥ संकोचरसावि
॥ स्तोर ॥ श्रमललिहिताहस्ताका ॥

रुपुरुद्दोअसामा ॥ एवंशीशास्ताघ

॥ अकरुनियाघारवनामे ॥
॥ नमदश्वाजगत्रभासे ॥ मगद
॥ सेतुद्वित्त ॥ श्वाससांडिला ॥

॥ एष्ठिधावजा ॥ वियोगदःसेवो
काडोविद्यामूरवदारववी ॥ अरेपुत्रा
तिर ॥ नेत्रीवृच्छव्यव्युत्थारा ॥ श्व
विमलता ॥ वस्तुपश्चित्तापक्षशुका
॥ वा ॥ वस्तुआणित्तपद्मिलालता ॥ जीमणवमहावाक्याचावाना ॥
॥ ध्याताध्येयध्यानधारणा ॥ जनवनतानामृतदृष्टिने ॥ स्त्रीसिंचुनसीच
॥ व्यक्तेली ॥ निवातजानीहतातेजातावतात ॥ आपतिस्व्यानमात्रेहो ॥ सर्वति
॥ रीनिरंतरिअसतां ॥ अंतरमानुनिअभ्यन्तरकजावुनिधेशी ॥ अलोनामीग
॥ लोकाई ॥ जनमत्तोनामेलोनसता ॥ भागदःखविश्रांतहाउनी ॥ शान्तपणसि
॥ धान्तनिवारण ॥ असेपहावेभववरणशती ॥ पञ्चमहाभूताचीव्यती ॥ उभाम
॥ कतावेभुमुक्तिवाशव्यसूला ॥ खानुभेवावामारुखुट्टा ॥ अविश्वभ्रमजि
॥ वाशिवडुला ॥ अहंब्रह्मविश्वासउडाला ॥ भाववुडाला ॥ मोहुजलाचामआ
॥ लापूर ॥ असामन्निधअसतादूर ॥ दहुभातीवानेत्रीदृशाधूर ॥ हुरहुरजिवा
॥ समुरुद्धानाच्च ॥ अंजननसताकानकारडां ॥ प्रवंचकालकाडाकारडु ॥ उ
॥ भ्रमानाचाधोडां ॥ बांधोनीभेवलोउस्त्रातविश्वुडती ॥ तेसेनकोरेअयुव्याव
॥ धीअधीच ॥ सहावधूनिसावधहोवे ॥ सत्यसनातनअसेवाहावे ॥ धर्म

॥ धर्मक्षतिमहिमठाकृति ॥ अकाशविकृतिनसताभ्रासे ॥ प्रतीविकारतेसाआ
॥ त्वा ॥ वीडीचातोब्रह्मांडीचा ॥ परमात्माउनावपावला ॥ अहंतस्यतेसोहं
॥ असाता ॥ कोहंविभ्रेसयोगविसरी ॥ वेदिजेब्रह्मवेदिजे ॥ निरामयआरा
॥ मविलास ॥ नित्यनिर्गुणस्यसनातनश्चानानंतध्यानातीत ॥ सज्जननदी
॥ तच्चेद्वेसादिसेत्तदस्त्वाधीरत्तस्त्रयाविश्वस्त्रघटतव्याससमानगुरुज्ञ
॥ मान ॥ श्रुतिप्रमाणयावाक्यानेगुतागुती ॥ अन्यालानाहिदेहजेथियातेथ
॥ पाहृपञ्चभुतीचाअसाखेति कावाकरसीभावजनीयाविद्याग्न्यासी ॥ द
॥ हाभिमानमीतसख्यावंचभुताचासमज्जीवहावासनेअंगसोगाधेउनि
॥ रंगुनीजन्मुर्निमरण आणीजान्मवेजठरीभरणाकमेकरणेतेचिनिसारणे
॥ भवतरणतेनघडजायुरुचरणाविष्टप्रयंचधाणा ॥ यासजुंपिलाअस
॥ सीजिवहा ॥ मोहिअध्यपश्वद्दग्निचादेहजापडीनेत्रवेधनकिरतिबा
॥ फुर्झी ॥ काल्पहिनिष्ठरहाणीथापडी ॥ नक्ष्मीहावेत्रणहिकेसा ॥ येलकाढ
॥ नीजाणेकोठमांडीदीतेक्षमुनिभ्रमल्लविया ॥ सवनकरितानीथोनी
॥ मातामाशीमीमातच्च ॥ पिता-यज्ञहाला ॥ वित्तिचापुठेकातामिगकोतति
॥ चामीहाउनियाअंतपावलो ॥ अकांतिकरितीकित्रिकीतिमाजीक्रिया

॥ वसेत संतव सुलग्न प्रसवी ॥ कृदपचोबेसवी ॥ समीहदपेहि नाय सुरवी ॥ वृष्टिकार
 ॥ म्यनेह की ॥ छाकंठीक विस्तीर्ण न एकी ॥ मैत्रसमान चिसूत्र साधुनी ॥ काळकूसरी निदि
 ॥ हूसरी ॥ सीतलधाई विक सितजाई ॥ जुईरोवती ॥ चमेलिचयक गंधमालती ॥ मादा
 ॥ भा-व्यासरव्य धंगती ॥ कोराठीबहुरंगरंगती ॥ अराठीचीना हि यामीफुले मोगरे खिय
 ॥ व्याजाति ॥ गोकणकृतयेकसुधती ॥ तुलनवती ॥ जेसेचैङ्गुललझेहू ॥ गंदराद
 ॥ रेतोकहेदर ॥ कानिखेवावितीतुरालाविती ॥ घड्फुलाचेबड्मोगरे ॥ दाडपोगरेनि
 ॥ धकवीचैङ्गुकलवलतीभवलवतीफुलले ॥ मल्लिकाच्यादीघवष्टिका ॥ कलविकाफल
 ॥ ल्याअपारतेथा ॥ पादिजातज्ञविजातकरतरगजथभातभातन्ये ॥ भातस्यातवहुमा
 ॥ तकरीतो ॥ वनस्पतीवेशुणविचवरीतां ॥ खड्दुपारीफुलदुपारी ॥ मधुलसुपारीगगन
 ॥ चुंविती ॥ द्रस्तफल्लातेपद्मिनस्तिति ॥ ल्लातीबरावरेरीतवलनितव्लेपाटवाहाती ॥
 ॥ गादडव्लाचैसाटगहनस्याथारदाटतटप्रफुल्जस्तियटे ॥ न सपरिकाटमध्यंचोहा
 ॥ टबोधिटेन ॥ रत्नमिल्लातखलब्बाट्याचे ॥ लियाफाकतीमधूरवावेद् ॥ कोकिल
 ॥ कुजतिगुजारवती ॥ सकल्लामध्येबकुल्लाच्यासमकुल्लाभोवव्लातेअवीकुल्लाचे
 ॥ वेदहितुती ॥ मंदमरुतेवक्षुहती ॥ नागकुक्लेयरिमध्येज्ञहती ॥ शुक्रशुक्रातेस्वध
 ॥ बोलती ॥ अदित्यजहुअलस्तिती ॥ धारिष्ठातेहलवुपाहाती ॥ मुख्यअगाताशीर
 ॥ गातगीतगाती ॥ ऐशीविवर्णीतुजगगिवसावयादक्षलावितेन ॥ सुदक्षमुनि
 ॥ तोअक्षपाटेअक्षयदेउनिक्षमरुपसुद्धितेजेण ॥ शमदमहूदयभरिला ॥ श्री

॥कुर्मासनिष्ठयुक्तशसमाधि ॥ समजेनिरसन्वद्येत्तुमाद ॥ नगरीकाहिहारीविषाट ॥
॥ निर्गुणासनियनिवाद ॥ भोगीअद्ययन्निमयमद्रा ॥ सोख्यसमुद्रामध्ये ॥ विष
॥ यक्षुद्रासीत्यानात्क्षयनियामनवृद्धिवेत्तिरासगाढनिश्चकगीरोस ॥ भाग्यायात
॥ वै ॥ राज्यावादुगविरतादुगाधियभगस्मसाजे ॥ स्वर्गविरुद्धीवर्गीणी ॥ श्र
॥ कोपसगर्मिहरवगति ॥ विध्वंसायार्द्दर्शविदी ॥ अतिहषनेसुदरशायासंगेवेषु
॥ बाल्प्रोघमुग्धानारी ॥ सुरतीनिरतो ॥ चतुर्दिवोक्ता ॥ चोत्यार्दीअसमीवस ॥ न
॥ शाहाप्यामुखीसुदरपाहाप्याकोष्ठी ॥ लाहाप्यामोट्यागामट्या ॥ रेत्य
॥ मनिच्या ॥ कमिष्टास्यानेमिष्टावेंचेष्टायामन ॥ अचक्षाअबक्षवेक्षेप्रबद्धमाजले ॥
॥ माजपट्यानेमाजबांधठे ॥ सेव्यसाजिदे ॥ मितंवते-चीमनंगसावरिध्वजाकरार ॥ तो
॥ विअबद्धेवायुस्पर्दे ॥ फलतीचंचक्षपाहनियावेधीरत्यहिच्छव्यच्छकंप ॥ इच्छ
॥ क्षक्षभागजिरिच्याच्चद्रानक्तिरिच्छापाणी ॥ अथसद्यतेद्युपागकरिति ॥ भागसद्वीस
॥ वर्णगव्यापुनीगाढीमूर्द्धपाणी ॥ एवं ॥ अद्यच्छिद्यनापताडीनरम्भनय
॥ न वैणसत्राणविवेकं शाणह ॥

॥ जननं द्वादशं विमानं धृष्टा ॥ ४
॥ बासुरी ॥ गात्र सुखर कंजर ॥
॥ सर्कार कराया कामयुक्त ह ॥ धृत
॥ कीड़ा करि तीसाते ॥ वेडा कुमुड
॥ न अगरणी कुचके सणी कड़ोन असन दावता म - चैत्र जाती ॥ विअसन कूपा सुनिदा वि
॥ ती ॥ नानाली कामुक लीला खुल वीव ग ॥ सकृद हुउ घडया ॥ कीटी ये कामय कुल
॥ गउया ॥ धीट धांगडया धांगडु धिंग ॥ अंगमाडने ॥ पिंगादती ॥ अंन गांवथारंगाय
॥ उनिरंग पाहुनी कुदमा डिले ॥ छंदता स्वरथ धृष्ट थे मंद मंद हु न यकरीती ॥ गंड
॥ कुला वेगेंद घुड नीभार मदे बहुमार करि ती ॥ वारंवार तरवारी वेवार प्रारं वेहु द
॥ यवेधिती ॥ बुधिजात शुधी होरती ॥ युधी जापर शूरजनसा ॥ भकहि ते साधीरवो
॥ तोधीमहीचा ॥ अधीपस्यायिन नकेपराधिन ॥ अधीशीषानेन वेष्टित मने ॥ निष्ट
॥ ब्रह्म शिष्ट वाकेये ॥ योगवसि षग्रंथा चीयो अर्थं ग्रंथी जुड घडुनी ॥ अखंडुनि गु
॥ यसमाधिसंधी ॥ अदधित सुखर माधिशा-या अनुग्रहे विग्रहे चिअते वि
॥ अवरीले या सन्मय अरिला ॥ १११ श्री ॥ त्यात मुख्यते रंभाराणी ॥ कंडजलन त्री कु
॥ इरुदनी ॥ पुछपातली नेनादननी ॥ वंचलाक्षते अचलातुनी ॥ कंडुकाक्षती
॥ भूरवाणी ॥ नेमसंधुकलक्ष्मातुनी ॥ तपोधना-या अपोडानाते ॥ वेष्टयक

॥ रथाहास्यकरूनिमग ॥ विकसितवद्ना ॥ मंदहास्यकरूनिदृष्टविषय ॥ मिष्ठामे
॥ उशागेष्टिवेवपरि ॥ दुष्टअंतरीजरीकोतरीयेकोतीकोतातेबोले ॥ कोताय
॥ अथनदिसेतुमची ॥ कोतिअशीकोउकोतवेली ॥ नबोचीकोअबोलाहा ॥ अस्ता
॥ सिधरिला ॥ ऐसेकेसेतुलाअनुचित ॥ नापसामेचित्तकापसासममृद्भासाव
॥ हृदयनिरंतरभृत्यक्षयनेमध्याअनिथ्याचीरीत ॥ त्वेहमारिसामोरेजुनी ॥
॥ बसाउठाकाहीचनाहि ॥ परस्त्रियेच्यादूरिअसावे ॥ ईश्वरअहातीसावे ॥ तज
॥ नद्वारानियाधिसावे ॥ ब्रह्मीअपपरतुलानेसावे ॥ करणगणीकस्तुगअसावे ॥
॥ समर्थितपहेकिमर्थकरिता ॥ व्यथेदहृदयनिकामरता ॥ कायनलाभस्त्रीभोग
॥ भोगिता ॥ यापाहामाघमाघसरिता ॥ घोघीमुखोगघगघग ॥ कघगघग
॥ गतगुच्छअस्ताते ॥ निरीकरीतुंबरिधरीशीपरिनिरिधमा ॥ श्वीस्वच्छवातना ॥
॥ हारिचेदेणअद्वृतकेण ॥ रनरेकवरमुनीवाडनी ॥ जिवासिकाहास्त्रासदेशी ॥
॥ तमुक्षोत्तासीकासत्राससी ॥ कायहृचिमनअशातपाने ॥ तोरोंपहेतवअप
॥ वेदिसते ॥ पूर्ववईहेजेविच्या ॥ विकाअंचवण ॥ जेविच्याविपोस्यादसांग
॥ श्वेषाइवहीउपद्रवमानीमीपाणरदने ॥ हाष्टहेतुपजच्याविणपा
॥ लेकरणे ॥ करिताहपहिलावातोसा ॥ नेसातुमचापृथक्षक्षदहा ॥



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com